

परिशिष्ट सारणी V.11: राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों के वित्तीय संकेतक  
(मार्च के अंत में)

(राशि ₹ लाख में)

क्रम सं.	क्षेत्र / राज्य/ यूटी	शाखाएं	लाभ/ हानि			ऋण की तुलना में एनपीए अनुपात (%)		वसूली अनुपात (%) (जून के अंत तक)	
			2022	2021	2022 <sup>पी</sup>	2021	2022 <sup>पी</sup>	2020	2021 <sup>पी</sup>
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
	<b>उत्तरी क्षेत्र</b>	<b>212</b>	<b>2,945</b>	<b>-6,055</b>	<b>51.2</b>	<b>56.2</b>	<b>23.3</b>	<b>20.1</b>	
1	हरियाणा @	19	2,381	-4,897	76.1	77.6	12.5	11.6	
2	हिमाचल प्रदेश #	51	101	185	36.4	34.3	46.7	42.6	
3	जम्मू और कश्मीर*	51	-1,462	-2,283	41.5	49.4	30.6	30.7	
4	पंजाब @	89	247	273	32.3	45.3	41.6	32.9	
5	राजस्थान @	2	1,679	667	52.9	53.8	20.8	18.2	
	<b>उत्तर पूर्वी क्षेत्र</b>	<b>5</b>	<b>-63</b>	<b>-38</b>	<b>99.4</b>	<b>100.0</b>	<b>8.0</b>	<b>12.1</b>	
6	असम*	-	-	-	-	-	-	-	
7	त्रिपुरा*	5	-63	-38	99.4	100.0	8.0	12.1	
	<b>पूर्वी क्षेत्र</b>	<b>11</b>	<b>1,060</b>	<b>615</b>	<b>23.5</b>	<b>24.5</b>	<b>32.9</b>	<b>41.3</b>	
8	बिहार*	-	-	-	-	-	-	-	
9	ओडिशा@	-	-	-	-	-	-	-	
10	पश्चिम बंगाल #	11	1,060	615	23.5	24.5	32.9	41.3	
	<b>मध्य क्षेत्र</b>	<b>323</b>	<b>2,323</b>	<b>491</b>	<b>83.7</b>	<b>70.5</b>	<b>25.5</b>	<b>29.1</b>	
11	छत्तीसगढ़@	-	-	-	-	-	-	-	
12	मध्य प्रदेश@	-	-	-	-	-	-	-	
13	उत्तर प्रदेश*	323	2,323	491	83.7	70.5	25.5	29.1	
	<b>पश्चिमी क्षेत्र</b>	<b>176</b>	<b>1,150</b>	<b>2,929</b>	<b>61.4</b>	<b>58.5</b>	<b>32.0</b>	<b>32.5</b>	
14	गुजरात*	176	1,150	2,929	61.4	58.5	32.0	32.5	
15	महाराष्ट्र@	-	-	-	-	-	-	-	
	<b>दक्षिणी क्षेत्र</b>	<b>67</b>	<b>8,991</b>	<b>9,892</b>	<b>10.3</b>	<b>15.9</b>	<b>80.0</b>	<b>70.7</b>	
16	कर्नाटक@	25	2,411	2,930	27.1	33.0	44.0	32.2	
17	केरल @	16	2,646	2,930	6.1	11.1	100.0	84.0	
18	पुदुचेरी*	1	-15	15	13.2	8.1	89.7	67.8	
19	तमिलनाडु@	25	3,948	4,018	11.9	22.0	80.7	81.2	
	<b>अखिल भारतीय</b>	<b>794</b>	<b>16,407</b>	<b>7,834</b>	<b>33.1</b>	<b>35.4</b>	<b>47.1</b>	<b>43.5</b>	

@: संघीय संरचना #: मिश्रित संरचना \*: एकल संरचना -: लागू नहीं

टिप्पणियां: 1. पूर्णांकन के कारण घटकों का जोड़ सटीक कुल से भिन्न हो सकता है।

2. छत्तीसगढ़ में 2014-15 के दौरान अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना का दीर्घकालिक सहकारी ऋण संरचना के साथ विलय कर दिया गया। साथ ही असम, बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एससीएआरडीबी अब कार्यशील नहीं हैं।

3. वित्तीय वर्ष के लिए वसूली के आंकड़े 30 जून की स्थिति में हैं।

4. पी – अंतिम।

स्रोत: नाबार्ड।